अध्ययन में आप किस प्रकार सहायता करेंगे उदाहरण सहित समझाइये।

Unit 5 : Career Adjustment and Maturity

वृत्तिक या रोजगार समायोजन और परिपक्वता

5:1- Economic Develoment and Creer Opportunity.

आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर

उद्देश्य :

1–प्रशिक्षार्थी आर्थिक विकास की आवश्यकता एवं महत्व महत्व के बारे में जान सकेंगे।

2–वर्तमान रोजगार के बारे में उनमें समझ विकसित होगी।

3–स्वयं एवं छात्रों को रोजगार चयन में सुविधा होगी।

Economic development and Modern Career Opportunity :

परिभाषा – प्रोफेसर किंडलबर्जर के अनुसार ‘‘ आर्थिक विकास से

अभिप्राय अधिक उत्पादक तथा तकनीकी एवं संस्थागत व्यवस्थाओं में परिवर्तन से है।

आर्थिक विकास के माप तथा विकास के सूचकांक –

1–सकल घरेलू उत्पाद (Gross Development Production) –

2–प्रति ब्यक्ति जी.डी.पी. –

3–प्रति ब्यक्ति उपभोग –

4–आर्थिक कल्याण –

5–समायोजित सकल राष्ट्रीय उत्पाद –

6–अन्य मापदण्ड –

आधुनिक आर्थिक समृद्धि की विशेषताएँ कुटनेट्स के अनुसार

- प्रति ब्यक्ति उत्पादकता में तीव्र बृद्धि दर–
- उत्पादकता की ऊंची बृद्धि दर–
- संरचनात्मक परिवर्तन की ऊंची दर–
- शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण–
- तीव्र सामाजिक एवं वैचारिक परिवर्तन–
- आधुनिक देशों का बाहर की ओर देखने का दृष्टिकोण–
- भौतिक एवं मानवीय पूंजी का अंतर्राष्ट्रीय प्रवाह–

वर्तमान युग डिजिटल कार्य प्रणाली से संबंधित है।

जिसमें आत्म निर्भरता व प्रतिस्पर्धा में सक्षमता आवश्यक है। इसके लिए हमें वर्तमान कार्य, व्यवसाय एवं विभिन्न संबंधित क्षेत्रों से जुड़े रोजगार के बारे में जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है। इससे हमें देश, काल, परिस्थिति के अनुसार अपनी, समाज, राज्य, राष्ट्र एवं विश्व में मांग की प्राथमिकता, कार्य कुशलता, योग्यता, कार्य संतुष्टि एवं भविष्य में विकास के अवसर को भी ध्यान में रखना होता है। आज आर्थिक विकास के साथ रोजगार के क्षेत्र व कार्य का स्वरुप बदलता रहता है।

आर्थिक विकास हेतु रोजगार चयन के कुछ क्षेत्र है जो निम्नलिखित है–

– वेब इंजीनियरिंग

– वेब डिजायनिंग

– वेब मास्टरिंग

– वेब प्रोग्रामिंग

– डी.टी.पी व्यवसाय

– टेलीविजन

– वीडियो जॉकी

– कम्प्यूटर

– कम्प्यूटर लैग्वेज कोर्स

– इंटरनेट कम्प्यूटर के क्षेत्र

– अंतर्राष्ट्रोय व्यापार संगठन में व्यवसाय

– एअर होस्टेस

– मॅरीन इंजीनियरिंग
– उपभोक्ता सम्पर्क प्रबंध
– काउंसलिंग सेवा
– भारतीय आर्थिक सेवा
– कम्पनी सेक्रेटरी
– जासूसी सेवा
– सूचना एवं प्रबंध सेवा
– स्पोर्ट्र्स सेवा
– विज्ञापन सेवा
– भौगोलिक सेवा
– बॉयो मेडिकल इंजीनियर्स
– बॉयोटेक्नोलॉजी
– बॉयोइंफार्मेटिक्स
– पर्यटन उद्योग
– मत्स्य विज्ञान
– अक्वाकल्चर
– इंडस्ट्रियल डिजाइनर
– बागवानी उद्योग
– मर्चेन्ट नेवी

– टेली मार्केटिंग
– लघु व्यावसायिक प्रबंधन
– निर्माण प्रबंधन
– चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट
– विज्ञापन पदाधिकरी एवं अन्य
– ट्रेवल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट
– भारतीय फिल्म उद्योग
– ब्यूटीशियन
– मॉडलिंग
– फैशन डिजाइनर
– वायु सेवा
– बीमा उद्योग
– डेयरी
– विधि अधिवक्ता
– जन सम्पर्क अधिकारी
– सैनिक चिकित्सा अधिकारी
– इंफर्मेशन सर्विस
– भारतीय वन सेवा
– भारतीय पुलिस सेवा

– मेडिको फार्मा
– फूड साइंस टेक्नोलॉजी
– मेडिकल ट्रांस क्रिएशन
– पुरातत्व सेवा
– अनुवादक या दुभाषिया
– फाटोग्राफर
– मेडिकल लबोरेट्रीज
– कम्यूनिकेशन एंड जर्नलिज्म
– लाइब्रेरियन
– ब्यूटिक उद्योग
– एंकरिंग
– मानव संसाधन प्रबंध
– समाज सेवा
– वास्तुविद
– हॉस्पिटल मैनेजमेंट
– राजनीतिक विश्लेषक
– जेमोलॉजी/रत्न विशेषज्ञ
– लेक्चरर
– चार्टर्ड एकाउन्टेंट

– मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ

– होम्योपैथिक चिकित्सक

– आयुर्वेदिक चिकित्सा

– भारतीय प्रशासनिक सेवा

– पर्सनल सेक्रेटरी

– इंटीरियर डिजाइनिंग

– टेक्सटाइल डिजायनिंग

– महिला केरियर

– गाइड रोमांचक कैरियर

– बैंकिंग–सेवा

– पशु चिकित्सक

– निर्देशन

– क्रिस्टिव राइटिंग

– फिजियो थेरेपी

– इवेंट मैनेजमेंट

– एस्टेट एजेंट

– विण्डो डिसप्ले

– अभिनय

– रेल्वे में कमर्शियल कैरियर

– टायपिस्ट या स्ओनोग्राफर

– डाइटिशियन

– टेलीफोन ऑपरेटर

– टूर बूकिंग

– सेल्स गर्ल

– पांव पसारता ऑन लाइन किताबों का संसार

अशिक्षित या कम पढ़े लिखे लोगों के लिए रोजगार –

....

– साड़ी व्यवसाय

– शेम्पू निमाण

– लिपिस्टिक उद्योग

– टिफिन सप्लाई

– सिलाई

– कढ़ाई

– कोरियर सेवा

– फॉल बिल्डिंग उद्योग

– मसाला उद्योग

– खाना गर्म करने की मशीन बनाना

– हेयर ड्रायर

– ऊन की रंगाई
– पानी की ट्रॉली
– पेंसिल
– कार की सीटों के कवर
– नल की टोंटी
– कपड़े टांगने के हैंगर
– रायटिंग बोर्ड
– शटल काक
– एल्यूमिनियम व लोहे की जालियाँ
– सिलाई की मशीन
– मसाला पीसने की चक्की
– स्टूडियों लाइट स्टैंड
– स्ओव
– लोहे की तिजोरियाँ
– फोटो इनलाइजर
– कंड्यूट पाइप की कुर्सियाँ
– मछली पालने के काँच के बक्से
– पालिशिंग
– पेट्रोमेक्स

– धूप के चश्मे

– टेलकम पावडर

– बिंदी व आइलाइनर

– नेल पॉलिश

– फाउंडेशन

– कैमरा स्टैंड

– कैरम बोर्ड

– टेलीविजन के लकड़ी के ढ़ॉचे

– बैटरी चार्जिंग

– बिजली के केबल

उपसंहार –

मूल्यांकन :

प्रश्न 1. आर्थिक विकास से आप क्या समझते है? वर्तमान समय में रोजगार के अवसर उससे कैसे संबंधित हैं समझाइए।

प्रश्न 2. वर्तमान आर्थिक विकास में रोजगार के विभिन्न कार्यों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 3. अपनी रुचि के किसी एक कार्य या व्यवसाय का चयन कर प्रकाश डालिए की आप उस क्षेत्र

में क्यों और कैसे आगे बढ़ेंगे?

Unit 5:2 – Concept of career adjustment and career Maturity

कैरियर समायोजन की अवधारणा और कैरियर की परिपक्वता

उद्देश्य :

1–प्रशिक्षार्थियों में वृत्तिक समायोजन की समझ विकसित होगी।

2–रोजगार परिपक्वता की आवश्यकता को जानेंगे।

3–अलग–अलग रोजगार हेतु परिपक्वता हासिल करने में समर्थ होंगे।

कैरियर समायोजन की अवधारणा –

....

''अवांछित व्यवहार को वांछित व्यवहार में बदलना ही समायोजन है''।

परिभाषा – बोरिंग लैंगफील्ड एवं बैल्ड के अनुसार –'' समायोजन वह

प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में संतुलन रखता है।

गेट्स एवं अन्य – " समायोजन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके द्वारा ब्यक्ति अपने व अपने वातावरण के बीच संतुलित संबंध रखने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है"।

हम चाहे कोई भी वृत्तिक क्यों न अपनाएँ हमें थोड़ा बहुत समायोजन करना होता है। जितना बड़ा रोजगार आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ होगा समायोजन क्षमता उसी तादात में अधिक लगेगा जैसे–मुख्यमंत्री का कार्यक्षेत्र एवं उत्तरदायित्व एक पूरे राज्य का होता है जबकि शिक्षा मंत्री का एक विभाग का होता है। एक जिलाधीश का उत्तरदायित्व एक जिले के सम्पूर्ण (लगभग 51 विभाग) के कार्यों के लिए होता है जबकि जिला शिक्षा अधिकारी का कार्य संबंधित जिले केवल शिक्षा विभाग के लिए होता है।

इसी तरह अपने ही गाँव, शहर, विकासखंड, जिला, संभाग, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने की योग्यता में बृद्धि के साथ समायोजन क्षमता बढ़ती जाती है। इसके लिए आवश्यक है –

1.अपने आप से समायोजन

2.परिवार से समायोजन

3.अध्ययन के क्षेत्र में

4.समाज में

5.कार्यस्थल में

कोई भी व्यक्ति क्या वृत्ति अपनाएगा उसकी रुचि, क्षमता, योग्यता, पारिवारिक एवं सामाजिक वातावरण, आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर वह रोजगार चयन करेगा। उसके पश्चात उस वृत्तिक से संबंधित संपूर्ण जानकारी को जानने के पश्चात उसे उस वृत्तिक में स्वयं को समायोजित कर पाएगा अथवा नहीं का आकलन करना होगा हम चाहे कोई भी वृत्तिक क्यों ना अपनाएं हमें थोड़ा बहुत समायोजन करना ही पड़ेगा इतना बड़ा रोजगार आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ समायोजन क्षमता उसी तादाद में अधिक लगेगा इसी तरह अपने गांव विकासखंड जिला राज्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चयन करेंगे हमारी योग्यता में वृद्धि होगी। समायोजन क्षमता में भी वृद्धि करने की मनःस्थिति को सुदृढ़ करना होगा। हमें कई सोपानों में समायोजन करने पड़ेंगे।

1. पहला अध्ययन के क्षेत्र से समायोजन माता पिता एवं परिवार से समायोजन समाज से समायोजन समायोजन मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है वहां अंत समय तक समाज में रहना चाहता है वह उसी समय अधिक पसन्न दिखाई देता है जबकि वह स्वयं की रूचि पसंद और अभिवृत्तियों वाले समूहों को प्राप्त कर लेता है इस बिहारी गतिशीलता का ही समायोजन है इस प्रकार अवांछित को वांछित में बदलना समायोजन है जब व्यक्ति दिखाई देता है तो यहां के व्यवहार का समायोजन है समाजीकरण की प्रवृत्ति ईश्वर की जो ताकत है कि वह जीवन को सरल बनाने के लिए व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ण करने का प्रयत्न करता है वहां उस समूह का अंश बन जाता है उसकी मान मर्यादा रीति रिवाज वाक्य एवं आंतरिक नियमों का पालन करता है वहां अपने जीवन को समाज के परिवेश के साथ समायोजित करने का प्रयास करता है इसके पश्चात वह अपने व्यवहार में सामाजिक स्तर के अनुसार आंशिक अथवा

पूर्ण परिवर्तन करता है अतः जैविक व्यवहार की गतिशीलता को सामाजिक मान्यता, सामाजिक अमान्यता ही उसकी समायोजन एवं कुसमायोजन का द्योतक होती है।

Unit 5:3 – Factors affecting Career Maturity
वृत्तिक या रोजगार परिपक्वता को प्रभावित करने वाले कारक

उद्देश्य : 1. प्रशिक्षार्थी वृत्तिक परिपक्वता के बारे में जानेंगे।

2. वृत्तिक परिपक्वता को प्रभावित करने वाले कारकों के प्रति समझ विकसित होगी।

वृत्तिक परिपक्वता – यह एक प्रकार से मानव की अंतर्निहित शक्तियों का विकास है जैसे – बीज से पत्ती, टहनी, फूल, फल आदि समय के साथ प्राप्त होते जाते हैं वैसे ही प्राकृतिक रुप से किसी पूर्व अनुभव, अधिगम व प्रशिक्षण के फलस्वरुप जन्मजात योगयताओं और क्षमताओं में बृद्धि हो जाती है तथा प्राणी में आवश्यक परिवर्तन आ जाते हैं जिसे परिपक्वता के रुप में समझ सकते हैं।

परिभाषा – बिग्गी एवं हंट के अनुसार – '' परिपक्वता एक विकासात्मक प्रक्रिया है जिसके अंर्तगत एक ब्यक्ति समय के साथ–साथ उन सभी विशेषताओं और गुणों कों ग्रहण करता है जिनकी नींव उनके गर्भ में आने के समय ही उसकी कोशिकाओं में रखी जा चुकी है।''

इस प्रकार परिपक्वता का संबंध उन व्यवहार गत परिवतनों

से होता है जो कि नैसर्गिक सामान्य बुद्धि से जुड़े होते हैं।

वृत्तिक परिपक्वता को प्रभावित करने वाले कारक (Factors affecting Career Maturity) -

———————————

1–वंशानुक्रम –

2–शारीरिक विकास –

3–संवेगात्मक विकास –

5–परिवार की आर्थिक स्थिति –

6– माता–पिता का दृष्टिकोण–

7–विद्यालयीन वातावरण –

8–शिक्षक का मानसिक दृष्टिकोण –

9–विद्यालय के क्रियाकलाप –

10–समूह – हरलॉक के अनुसार – ''समूह के प्रभाव के कारण बालक समाजिक व्यवहार का ऐसा

महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करता है जो समाज द्वारा निश्चित की गई दशाओं में उतनी कुशलता से प्राप्त नहीं किया जा।''

अन्य कारक – 1– परिवार के रीति–रिवाज –

2– धार्मिक संस्थाएं –

3– भाषा –

4– सिनेमा, नाटक तथा रेडियो –

5– समाचार पत्र –

6– राष्ट्रीय पर्व –

7– शिक्षा के अनौपचारिक साधन –

8– सामाजिक प्रतियोगिताएँ

उपसंहार –

मूल्यांकन – प्रश्न 1. रोजगार परिपक्वता को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख कीजिए।

Unit 5:4 – Assessment of career mturity

वृत्तिक परिपक्वता का मूल्यांकन

उद्देश्य : 1–प्रशिक्षार्थी वृत्तिक परिपक्वता की आवश्यकता को जान सकेंगे।

2–वृत्तिक परिपक्वता का मूल्यांकन करने में समर्थ हो सकेंग।

वृत्तिक परिपक्वता का मूल्यांकन – कैरियर परिपक्वता का मूल्यांकन ब्यक्ति की अभिरुचि और योग्यता में बृद्धि होने से संबंधित है। जो विद्यार्थी कक्षा 10वीं या 12वीं के बाद उच्च्च शिक्षा या अनुसंधान में अपने रोजगार व रुचि में अनिर्णय की स्थिति में रहते हैं यह दर्शाता है कि उनमें कैरियर मैच्यूरिटी का अभाव है। भारत में यह समस्या बहुत विकराल रुप में है। जिसका प्रमुख कारण निम्न लिखित है –

1–ब्यक्तिगत

2–पारिवारिक

3–सामाजिक सोच

4–सामाजिक दबाव

5–सरकारी नौकरी के बारे में ही सोचना

6–विकल्प का अभाव

7–कृषि प्रधान देश होना – भारत कृषि प्रधान देश है। यहाँ कृषकों की आबादी 60 प्रतिशत एवंज जी.डी.पी में कृषि का 17 प्रतिशत हिस्सा है पढ़े–लिखे लोग कृषि कार्य करना नहीं चाहते जो दुःखद बात है।

कैरियर परिपक्वता के मूल्यांकन हेतु आवश्यक टीम

....

विद्यार्थियों में कैरियर मूल्यांकन की परिपक्वता हेतु प्रत्येक उच्चतर मा. विद्यालय में एक टीम हो जिसमं निम्नलिखित सदस्य हों एवं ये अपना कार्य करें –

– वर्णन कर्ता

– अकादमिक सलाहकार

– केरियर च्वाइस

– केरियर काउंसलिंग

– केरियर विकास

– केरियर एक्सप्लोरेशन

– केरियर मेच्यूरिटी टेस्ट

– स्कूल काउंसलर

– स्कूल गाइडेंस

– सेकेण्डरी एजुकेशन

– व्यावसायिक अभिरुचि

– व्यावसायिक मूल्यांकन

उपसंहार –

मूल्यांकन – प्रश्न1. विद्यार्थियों में रोजगार परिपक्वता के मूल्यांकन हेतु उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में टीम के निर्माण की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न2. विद्यालयों में रोजगार परिपक्वता मूल्यांकन टीम सदस्यों के कार्यों का उल्लेख कीजिए।